ସମ୍ବାଦ

ନୂଆଦିଲ୍ଲୀରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ଏକ ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଉତ୍ସବରେ ସାହିତ୍ୟ ଅକାଦେମିର ସଭାପତି ପ୍ରଫେସର ଚନ୍ଦ୍ରଶେଖର କମ୍ବରଙ୍କଠାରୁ 'ବାଲ୍ ସାହିତ୍ୟ ପୁରସ୍କାର' ଗ୍ରହଣ କରୁଛନ୍ତି ବିଶିଷ୍ଟ ଶିଶୁ ସାହିତ୍ୟିକ ଡକ୍ଟର ନରେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରସାଦ ଦାସ

BHUBANESWAR Edition
Page No.15 November 16, 2022

लेखक सम्मिलन
पुरस्कार विजेता अपने अनुभ
ardees' Meet
rd-winners will share
15 नवंबर 2022
Ministry of Culture
Government of India
Azadi Ka Amrit Mahotsav

Award in Odia to
Narendra Prasad Das
For ***Kolaahala Naa Halaahala***

Narendra Prasad Das is an eminent Odia writer. He was born on 13 October 1942 in village Samia, Odisha. Besides Odia, he knows Hindi, English and Bengali. He holds a Master's degree and Ph.D. in Science. He has more than 20 publications to his credit, notable among which are *Bigyana O Bigyani, Kenchua Purana, Paribeshara Katha.* At present, he is President, All India Children's Literary Foundation, Kolkata. He has won several prestigious awards and honours such as Odisha Vigyana Academy Award, Meena Bazar Award, NCERT Award.

Kolaahala Naa Halaahala is collection of short stories. The stories highlight the severe dangers that noise pollution creates, and how it affects the human survival. Besides orienting the children as to how they can contribute to initiatives aimed at reducing the noise pollution, the stories engagingly give a lot of information and beautifully explain its nature. The stories are remarkable for their striking art of narration and educational values. As such, Sahitya Akademi is happy to confer its Bal Sahitya Puraskar in Odia on Narendra Prasad Das for his short story collection, *Kolaahala Naa Halaahala.*

ओड़िआ में पुरस्कृत
नरेन्द्र प्रसाद दास
कोलाहल ना हलाहल के लिए

नरेन्द्र प्रसाद दास प्रख्यात ओड़िआ लेखक हैं। आपका जन्म 13 अक्तूबर 1942 को ओडिशा के ग्राम सामिया में हुआ। आपको ओड़िआ के अलावा हिंदी, अंग्रेज़ी तथा बाङ्ला भाषाओं का भी ज्ञान है। आपने विज्ञान में स्नातकोत्तर तथा पी–एच.डी. की उपाधियाँ प्राप्त कीं। आपकी 20 से अधिक कृतियाँ प्रकाशित हैं, जिनमें उल्लेखनीय हैं – *बिज्ञान ओ बिज्ञानी, केँचुआ पुराण, परिबेषरा कथा*। संप्रति, आप अखिल भारतीय बाल साहित्य फाउंडेशन, कोलकाता के अध्यक्ष हैं। आपको ओडिशा विज्ञान अकादमी पुरस्कार, मीना बाज़ार पुरस्कार, एनसीईआरटी पुरस्कार जैसे कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों तथा सम्मानों से विभूषित किया गया है।

कोलाहल ना हलाहल कहानी–संग्रह है। कहानियों में ध्वनि प्रदूषण से उत्पन्न होने वाले गंभीर ख़तरों तथा वे मानव अस्तित्व को किस प्रकार प्रभावित करते हैं, को उजागर किया गया है। यह कहानी–संग्रह बच्चों को ध्वनि प्रदूषण कम करने में उनके योगदान के लिए प्रेरित करने के साथ–साथ विभिन्न जानकारियों की व्याख्या करता है। कहानियाँ अपनी असाधारण कला तथा शैक्षिक मूल्यों के लिए उल्लेखनीय हैं। *कोलाहल ना हलाहल* के लिए नरेन्द्र प्रसाद दास को ओड़िआ का बाल साहित्य पुरस्कार प्रदान करते हुए साहित्य अकादेमी प्रसन्नता का अनुभव कर रही है।